ORIGINAL RESEARCH PAPER

Commerce

# जनजाति क्षेत्र के आर्थिक विकास पर ग्रामीण पर्यटन का प्रभावरू दक्षिणी राजस्थान का एक अनुभवजन्य अध्ययन

KEY WORDS:

प्रो. बी. एल. वर्मा — आचार्य, व्यवसाय प्रशासन विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

शकुंतला मीणा — शोधार्थी, व्यवसाय प्रशासन विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

**ABSTRACT**

किसी भी पर्यटन स्थल पर आने वाले यात्रियों के कारण उस क्षेत्र में वस्तुओं की बिक्री में वृद्धि होती है, आवास सुविधाओं का उपभोग बढ़ता है, स्थानीय निवासियों को विभिन्न प्रकार के रोजगार मिलते हैं। संक्षेप में कहा जा सकता है कि पर्यटकों की आवक उस क्षेत्र में आय के विभिन्न स्त्रोतों का सृजन करती है। इसी का संदर्भ लेते हुए प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य दक्षिणी राजस्थान में जनजाति क्षेत्र के आर्थिक विकास पर ग्रामीण पर्यटन का प्रभाव का अध्ययन करना है। उद्देश्य की पूर्ती के लिए दक्षिणी राजस्थान में जनजातीय क्षेत्र के स्थानीय निवासियों से प्रश्नावली के माध्यम से समंको का एकत्रीकरण किया गया। एकत्रित आंकड़ों के विश्लेषण के लिए समान्तर माध्य एवं ज–परीक्षण का प्रयोग किया गया। परिणामों से स्पष्ट हुआ कि दक्षिणी राजस्थान में जनजाति क्षेत्र के आर्थिक विकास पर ग्रामीण पर्यटन का सार्थक सकारात्मक प्रभाव है।

## परिचय

यात्रा और पर्यटन भारत में सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। यह विभिन्न प्रकार के पर्यटन देता है, उदाहरण के लिए, विरासत, सामाजिक, चिकित्सीय, व्यवसाय, खेल, पर्यटन आदि। पर्यटन विभाग का मुख्य लक्ष्य पर्यटन का निर्माण और उसे आगे बढ़ाना, एक यात्री के लक्ष्य के रूप में भारत की आक्रामकता को बनाए रखना और मौजूदा पर्यटन वस्तुओं को बढ़ाना और विस्तारित करना है ताकि काम के अंतहीन अवसरों और मौद्रिक विकास को पुनर्जीवित किया जा सके। एक राष्ट्र की मौद्रिक उन्नति में पर्यटन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्यटन भारत में दूसरा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा अर्जक है और बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार देता है।

राजस्थान के सुस्थापित किले, कालानुक्रमिक महत्व के शहर और विश्व प्रशंसित स्थलों ने दुनिया भर के यात्रियों को लगातार आकर्षित किया है। वर्तमान में पर्यटन केवल गुजरे हुए पत्थरों (ऐतिहासिक स्मारकों) और विशाल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के तने और कड़ी के माध्यम से अपने पंखों का विस्तार किया है। नए और विशेष पर्यटन क्षेत्र आ रहे है जो पर्यटकों को बड़ी संख्या में आकर्षित कर रहे है, जैसे कि इको–टूरिज्म, वेलनेस टूरिज्म, देहाती पर्यटन और अन्य। पर्यटन मंत्रालय, राजस्थान सरकार अब ग्रामीण पर्यटन पर ध्यान केन्द्रित कर रही है और यात्रियों को ग्रामीणों के दैनिक अस्तित्व पर एक नज़र डालने के लिए अवसर दे रही है। राजस्थान के गांव एक विशेष प्रकार के राजस्थान को व्यक्त करते है, इस असाधारण अनुभव को साझा करने के लिए, पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार, ने एक विस्तृत पर्यटन श्रृंखला का निर्माण किया है।

इन्हीं विशेषताओं के कारण राजस्थान में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं तथा पिछले कुछ वर्षों के पर्यटन के आंकड़ें बताते हैं कि ग्रामीण पर्यटन स्थलों के प्रति पर्यटकों का रूझान निरंतर बढ़ रहा है। पर्यटकों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि होती रहे तथा इस से क्षेत्र का आर्थिक विकास भी होता रहे, इसी को ध्यान में रखते हुए हुए प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य दक्षिणी राजस्थान में जनजाति क्षेत्र के आर्थिक विकास पर ग्रामीण पर्यटन का प्रभाव का अध्ययन करना है।

## साहित्य समीक्षा

**कथूरिया (2022),** ने कहा है कि ग्रामीण पर्यटन में संरक्षण और सुधार को प्रोत्साहित करने की क्षमता है, इसलिए आवश्यकता है, सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को समझने की जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव को आँका जा सके, तथा देश की सभ्यता एवं संस्कृति का संरक्षण किया जा सके। पर्यटन के संरक्षण एवं सुधार द्वारा राष्ट्र का विकास भी प्रोत्साहित किया जा सकता है।

**काट्या ए. (2021),** के अनुसार वर्तमान में पर्यटन गतिविधियाँ आय के स्त्रोत के रूप में विकसित और विकासशील देशों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। पर्यटन गतिविधि के अन्तर्राष्ट्रीयकरण का कई लोगों ने विरोध किया। लेखक ने यह भी बताया कि ग्रामीण विकास का तात्पर्य ग्रामीण जनजीवन को संरक्षित करना हैं, यह न केवल आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक दृष्टिकोण से महत्त्वपूर्ण है वरन् यह पर्यटन व्यवहारिकता के सिद्धान्त का भी पालन करता है। ग्रामीण पर्यटन को कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में आय असमानता के समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

**कुमार, एस. (2020),** के अध्ययन ने आर्थिक–सामाजिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए पर्यटन उद्योग में प्रौद्योगिकी के प्रभाव और ग्रामीण पर्यटन अनुसंधान में इसके अनुप्रयोग पर साहित्य की व्यवस्थित समीक्षा की है। शोध लेखों को स्कोपस, वेब ऑफ साइंस में अनुक्रमित पत्रिकाओं से चुना गया था। इस अध्ययन ने पर्यटन उद्योग से सम्बन्धित क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण पर्यटन में चल रहे अनुसंधान प्रवृतियों का एक सारांश प्रदान किया। इस अध्ययन ने प्रौद्योगिकी और ग्रामीण पर्यटन उद्योग के विकास के बीच एक कड़ी स्थापित करने का प्रयास किया। साथ ही, यह निष्कर्ष निकाला कि प्रौद्योगिकी के उपयोग ने ग्रामीण पर्यटन को संचालित करने के नवीन तरीके को विकसित किया है।

**कोकट, डी और हटीगंह, जे. (2019),** ने बताया कि कम आर्थिक गतिविधियाँ वाले विकासशील देशों के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय आर्थिक विकास एक महत्त्वपूर्ण अनिवार्यता बनी हुई है । इस सन्दर्भ में दक्षिणी अफ्रीका की स्थानीय सरकारों ने स्थानीय आर्थिक विकास पर ध्यान देना प्रारम्भ किया है। इस शोध का उद्देश्य दक्षिणी अफ्रीका में स्थानीय आर्थिक विकास का एक अध्ययन करना हैं। शोध ने निष्कर्ष दिया कि आर्थिक विकास के लिए ग्रामीण पर्यटन का विकास आवश्यक है, जिसके लिए सरकारी तथा निजी दोनों क्षेत्रों की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

**दत्ता, एस. (2018),** ने अपने अध्ययन में पाया कि ग्रामीण पर्यटन का उचित विकास नहीं हुआ है, ग्रामीण पर्यटन ने रोजगार के कई अवसर पैदा किये परन्तु अधिकांश रोजगार मौसमी थे, जो निम्न गुणवत्ता और कम वेतन देते थे। विभिन्न अध्ययन में शोधकर्ताओं ने यह तर्क दिया कि पर्यटन का समन्वयीकरण ग्रामीण क्षेत्रों के लिए कठिन है, क्योंकि पूँजी का अभाव, सेवा क्षेत्र में ज्ञान का अभाव, विशेषता की कमी आदि पर्यटन का सही विकास नहीं होने देते।

## उद्देश्य

दक्षिणी राजस्थान में जनजाति क्षेत्र के आर्थिक विकास पर ग्रामीण पर्यटन का प्रभाव का अध्ययन करना ।

## परिकल्पना

**शून्य परिकल्पना ($H_0$):** ग्रामीण पर्यटन का जनजातीय क्षेत्र के आर्थिक विकास पर सार्थक प्रभाव नहीं है।

**वैकल्पिक परिकल्पना ($H_1$):** ग्रामीण पर्यटन का जनजातीय क्षेत्र के आर्थिक विकास पर सार्थक प्रभाव है।

## शोध पद्दति

**अनुसंधान अभिकल्प :** अध्ययन की सुगमता के लिए वर्णनात्मक अनुसंधान अभिकल्प का प्रयोग किया गया है।

**प्रतिचयन :** स्तरीकृत उद्देश्यपूर्ण नमूनाकरण विधि की सहायता से 432 स्थानीय निवासियों का चयन किया गया।

**सूचना एकत्र करने की तकनीक:** स्थानीय निवासियों से आकड़ों का संग्रहण प्रश्नावली के माध्यम से किया गया है।

**समंक विश्लेषण की तकनीक:** एकत्रित आंकड़ों के विश्लेषण के लिए समान्तर माध्य एवं ज–परीक्षण का प्रयोग किया गया।

## समंकों का विश्लेषण एवं व्याख्या

### स्थानीय निवासियों के जनांकिकी समंक

तालिका 1 में स्थानीय निवासियों के जनांकिकी समंक प्रस्तुत किये गए हैं, परिणामों से स्पष्ट है कि अधिकतर स्थानीय निवासी पुरुष (56.94:) थे जबकि शेष स्थानीय निवासी महिला (43.06:) थीं ।अधिकतम स्थानीय निवासियों की आयु 40 वर्ष से कम थी जबकि 56.94: उत्तरदाता अविवाहित थे। 36.11: स्थानीय निवासी एकल परिवार में रहने वाले थे, तथा शेष 63.89: स्थानीय निवासी संयुक्त परिवार रहने वाले थे।

**तालिका 1: स्थानीय निवासियों के जनांकिकी समंक**

| लिंग | संख्या | प्रतिशत | वैवाहिक स्थिति | संख्या | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|
| पुरुष | 246 | 56.94 | अविवाहित | 246 | 56.94 |
| महिला | 186 | 43.06 | विवाहित | 186 | 43.06 |
| कुल | 432 | 100 | कुल | 432 | 100 |
| आयु (वर्षों में) | संख्या | प्रतिशत | परिवार का प्रकार | संख्या | प्रतिशत |
| 40 से कम | 372 | 86.11 | एकल | 156 | 36.11 |
| 40 से अधिक | 60 | 13.89 | संयुक्त | 276 | 63.89 |
| कुल | 432 | 100 | कुल | 432 | 100 |

### जनजाति क्षेत्र के आर्थिक विकास पर ग्रामीण पर्यटन का प्रभाव

इस शोध का मुख्य उद्देश्य जनजाति क्षेत्र के आर्थिक विकास पर ग्रामीण पर्यटन के प्रभाव का अध्ययन करना था। आर्थिक विकास पर ग्रामीण पर्यटन के प्रभाव के बारे में स्थानीय निवासियों को कुछ कथन दिए गए जिसके प्रति उन्हें 5 बिंदु सहमति पैमाने पर अपनी राय 5 (पूर्ण रूप से सहमत) से 1 (पूर्ण रूप से असहमत) तक इंगित करने को कहा गया । सहमति के परिणामों की विवेचना समान्तर माध्य के आधार पर की गयी जैसा की तालिका 2 में प्रदर्शित किया गया है।

परिणामों से स्पष्ट है की स्थानीय निवासियों ने सभी कथनो के प्रति पूर्ण सहमति अथवा सहमति इंगित की है। यदि सकारात्मक प्रभाव की बात की जाये तो स्थानीय निवासियों के अनुसार पर्यटन ने समुदाय के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि की हैं एवं पर्यटन ने निवासियों के जीवन स्तर को उठाया है। स्थानीय निवासियों का मानना है कि पर्यटन स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने में उपयोगी है और पर्यटन ने स्थानीय लोगों एवं छोटे व्यवसायों को आर्थिक लाभ दिया है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि कुछ स्थानीय लोग अपनी जमीन और संपत्ति को पर्यटन के उद्देश्य से पट्टे पर देकर पैसा कमा रहे हैं जिसका अर्थ यह है कि पर्यटन ने स्थानीय सरकार के लिए अधिक कर राजस्व बनाया है। आर्थिक विकास पर ग्रामीण पर्यटन के प्रभाव का ब्यौरा देते हुए स्थानीय निवासियों ने इंगित किया कि पर्यटन से संतुलित स्थानीय सामुदायिक विकास हुआ हैए पर्यटन ने बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में वृद्धि की है एव पर्यटन ने मौसमी रोजगार बढ़ाए हैं।

सकारात्मक प्रभावों के साथ साथ स्थानीय निवासियों ने आर्थिक विकास पर ग्रामीण पर्यटन के नकारात्मक प्रभाव की भी चर्चा की उन्होंने बताया कि पर्यटन ने वस्तुओं और सेवाओं के सामान्य मूल्य में वृद्धि की है जिसके कारण पर्यटन ने निवासियों के रहने की लागत बढ़ा दी है। स्थानीय निवासियों ने यह भी बताया कि स्थानीय लोग अर्ध–कुशल श्रमिक/पदों (गाइड/रसोइया/पोर्टर्स) के रूप में काम कर रहे हैं और पर्यटन गतिविधियों के माध्यम से आर्थिक रूप से लाभान्वित नहीं होते हैंए पर्यटक स्थानीय उत्पादों की तुलना में गैर–स्थानीय व्यापारिक वस्तुओं को तरजीह देता है जिसके कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आर्थिक रिसाव होता है एवं सरकार स्थानीय समुदाय को आर्थिक लाभ उत्पन्न करने के लिए कोई धन या तकनीकी सहायता प्रदान नहीं कर रही है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि स्थानीय निवासियों के अनुसार आर्थिक विकास पर ग्रामीण पर्यटन के सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों तरह के प्रभाव पड़ते हैं।

### तालिका 2: क्षेत्र के आर्थिक विकास पर ग्रामीण पर्यटन का प्रभाव

| क्रम संख्या | कथन | समान्तर माध्य | प्रमाप विचल | प्रसरण गुणांक | परिणाम |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | पर्यटन ने समुदाय के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि की हैं | 4.21 | 0.90 | 0.21 | पूर्ण रूप से सहमत |
| 2 | पर्यटन स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने में उपयोगी है | 4.19 | 0.88 | 0.21 | सहमत |
| 3 | पर्यटन ने निवासियों के जीवन स्तर को उठाया है | 4.24 | 0.83 | 0.19 | पूर्ण रूप से सहमत |
| 4 | पर्यटन ने स्थानीय लोगों को आर्थिक लाभ दिया है | 3.99 | 1.06 | 0.27 | सहमत |
| 5 | पर्यटन ने छोटे व्यवसायों को आर्थिक लाभ दिया है | 4.03 | 1.04 | 0.26 | सहमत |
| 6 | कुछ स्थानीय लोग अपनी जमीन और संपत्ति को पर्यटन के उद्देश्य से पट्टे पर देकर पैसा कमा रहे हैं. | 3.86 | 1.06 | 0.27 | सहमत |
| 7 | पर्यटन से संतुलित स्थानीय सामुदायिक विकास हुआ है | 4.11 | 0.95 | 0.23 | सहमत |
| 8 | पर्यटन ने बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में वृद्धि की है | 4.11 | 0.91 | 0.22 | सहमत |
| 9 | पर्यटन ने स्थानीय सरकार के लिए अधिक कर राजस्व बनाया है | 4.00 | 0.93 | 0.23 | सहमत |
| 10 | पर्यटन ने मौसमी रोजगार बढ़ाए हैं. | 4.01 | 1.02 | 0.25 | सहमत |
| 11 | पर्यटन ने वस्तुओं और सेवाओं के सामान्य मूल्य में वृद्धि की है | 3.83 | 1.07 | 0.28 | सहमत |
| 12 | पर्यटन ने निवासियों के रहने की लागत बढ़ा दी है | 3.93 | 1.02 | 0.26 | सहमत |
| 13 | स्थानीय लोग अर्ध–कुशल श्रमिक/पदों (गाइड/रसोइया/पोर्टर्स) के रूप में काम कर रहे हैं और पर्यटन गतिविधियों के माध्यम से आर्थिक रूप से लाभान्वित नहीं होते हैं। | 3.68 | 1.13 | 0.31 | सहमत |
| 14 | पर्यटक स्थानीय उत्पादों की तुलना में गैर–स्थानीय व्यापारिक वस्तुओं को तरजीह देता है जिसके कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आर्थिक रिसाव होता है | 3.93 | 0.95 | 0.24 | सहमत |
| 15 | सरकार स्थानीय समुदाय को आर्थिक लाभ उत्पन्न करने के लिए कोई धन या तकनीकी सहायता प्रदान नहीं कर रही है | 3.92 | 0.98 | 0.25 | सहमत |

तालिका 3 में स्थानीय निवासियों के अनुसार ग्रामीण पर्यटन के आर्थिक विकास पर समग्र प्रभाव को दर्शाया गया है एवं परिणाम से स्पष्ट है कि लगभग सभी स्थानीय निवासियों (90.28:) के अनुसार ग्रामीण पर्यटन का आर्थिक विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। केवल 9.72: स्थानीय निवासियों का मानना है कि ग्रामीण पर्यटन का आर्थिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। समान्तर माध्य (60.04) के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि स्थानीय निवासियों की राय में ग्रामीण पर्यटन का आर्थिक विकास पर सकारात्मक प्रभाव है।

### तालिका 3: ग्रामीण पर्यटन का आर्थिक विकास पर समग्र प्रभाव

| आर्थिक विकास पर ग्रामीण पर्यटन का प्रभाव | संख्या | प्रतिशत |
|---|---|---|
| नकारात्मक | 42 | 9ण्72 |
| सकारात्मक | 390 | 90ण्28 |
| कुल | 432 | 100 |
| समान्तर माध्य | 60.04 | |
| प्रभाव | सकारात्मक | |

परिणामों से यह तो स्पष्ट है कि ग्रामीण पर्यटन का आर्थिक विकास पर सकारात्मक प्रभाव है, परन्तु इस प्रभाव की सार्थकता के परीक्षण के लिए निम्न परिकल्पना का निर्माण किया गयाः–

### शून्य परिकल्पना (भ्$_0$3): ग्रामीण पर्यटन का जनजातीय क्षेत्र के आर्थिक विकास पर सार्थक प्रभाव नहीं है ।

### वैकल्पिक परिकल्पना (भ्$_1$3): ग्रामीण पर्यटन का जनजातीय क्षेत्र के आर्थिक विकास पर सार्थक प्रभाव है।

उपरोक्त परिकल्पना के परीक्षण के लिए सार्वभौमिक माध्य 45 के विरुद्ध एक प्रतिदर्श ज–परीक्षण का प्रयोग किया गया जिसके परिणामों को तालिका 4 में प्रदर्शित किया गया है। परिणामो से स्पष्ट है की 5: सार्थकता स्तर पर ज–सांख्यिक का मान सार्थक है अर्थात परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाना है। अतः यह कहा जा सकता है कि ग्रामीण पर्यटन का जनजातीय क्षेत्र के आर्थिक विकास पर सार्थक प्रभाव है। चूँकि परिकलित माध्य (60.04) का मान आदर्श माध्य (45) से अधिक है अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि ग्रामीण पर्यटन का जनजातीय क्षेत्र के आर्थिक विकास पर सकारात्मक प्रभाव है।

### तालिका 4: ग्रामीण पर्यटन का जनजातीय क्षेत्र के आर्थिक विकास पर सार्थक प्रभाव के परीक्षण हेतु एक प्रतिदर्श ज–परीक्षण के परिणाम

| चर | परीक्षण मूल्य त्र 45 | | | | परिणाम |
|---|---|---|---|---|---|
| | समान्तर माध्य | ज का मान ;ज.अंसनमद्ध | स्वतंत्रता कोटि | सार्थकता स्तर ;च.अंसनमद्ध | |
| आर्थिक विकास पर ग्रामीण पर्यटन का प्रभाव | 60ण्04 | 28ण्841 | 431 | 0ण्000 | सार्थक |

सार्थकता स्तर त्र 5:

## परिणाम

1. ग्रामीण पर्यटन का जनजातीय क्षेत्र के आर्थिक विकास पर सार्थक सकारात्मक प्रभाव है।
2. स्थानीय निवासियों के लिंग, वैवाहिक स्थिति एवं परिवार के प्रकार का उनकी राय पर सार्थक प्रभाव है।

## सन्दर्भ ग्रन्थ


1. कथूरिया, विनिश (2022), ग्रामीण समुदाय के आर्थिक विकास में एक कारक के रूप में ग्रामीण पर्यटन संक्रमण में अर्थव्यवस्थाएँ। (पीपी 51 – 60)
2. कात्या, ए. (2021) क्षेत्रीय समुदायों के विकास पर ग्रामीण पर्यटन का प्रभाव।जर्नल ऑफ ईस्टर्न यूरोप रिसर्च इन बिजनेस एण्ड इकोनोमिक्स, 6(5), 452–459
3. कुमार एस. (2020), प्रौद्योगिकी और नवाचार : ग्रामीण पर्यटन की बदलती अवधारणा– एक व्यवस्थित समीक्षा। ओपन जियोसाईन्सेजी, 12(1) 737–752
4. कोकट, डी और हटिंगह, जे. (2019), स्थानी आर्थिक विकास, ग्रामीण पर्यटन और समुदाय : दक्षिणी अफ्रीकी दृष्टिकोण। रूटलेज हैंडबुक ऑफ टूरिज्म इम्पैक्टस 121–132

5ण दत्ता, एस. (2018), ''ग्रामीण पर्यटन और कम पसंदीदा क्षेत्रों का विकास–बयानबाजी और अभ्यास के बीच''। इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ टूरिज्म रिसर्च, 4, 211–220